VOLUME-III ISSUE-XV SUBSCRIBE@DITUNIVERSITY.EDU.IN JULY 2018

The Editorial Board

DITU 1998-2018

THE CAMPUS SCOOP

DIT UNIVERSITY IMAGINE ASPIRE ACHIEVE

AN INSIGHT OF MONTHLY HAPPENINGS

DIT UNIVERSITY 2nd COUNSELLING

DITU conducted yet another counselling session for the enrollment of its students on 15th July, 2018. This time though it was not only just Dehradun that had a huge crowd of students registering themselves,but also various centers around India. Noida, Haldwani, Gorakhpur and Patna surely attracted many a novices for their courses commencing from summer'18 at the foothills of Mussoorie.

Students Attending 2nd Counselling

Given the courses already being conducted in the University along with a bunch of new ones being announced, DITU has had a great footfall of new undergraduates at the counselling sessions held so far.
Good luck to everyone joining us !!

-Aditi Misra
B.TECH MECHANICAL ENGG-II YEAR

ALUMNI MEET 2018 PUNE

'जिंदगी में मिलने की फरियाद करते रहना
मिल ना भी सके तो कम से कम याद करते रहना'

कुछ इसी प्रकार की संवेदनाएं हमारे अंदर हर उस वक़्त रहती हैं, जबभी हम अपने किसी पुराने दोस्त को मिलते हैं। 'दोस्त'- जैसे हमारा दूसरा परिवार। हर उस संस्थान में जहाँ हम पढ़ते हैं, वहाँ हम नए- नए दोस्त बनाते हैं। पर वक़्त की आपा-धापी कुछ यूँ रहती है, कि उसी प्रकार बार- बार मिल पाना बहुत मुश्किल हो जाता है, और कभी-कभी तो असंभव।

Memories from Alumni Meet Pune

तो इसी प्रकार का असंभव कार्य, इस बार संभव हो सका 21 जुलाई, 2018 को, जबकि भारत के पश्चिमी क्षेत्रों में कार्यरत हमारे संस्थान के पूर्व छात्रों ने एक पुनर्मिलन समारोह (Alumni Meet) का आयोजन किया। यह आयोजन 'The Asian Box Banner Restaurant' में आयोजित किया गया। आयोजन के सूत्रधार रहे अमित खंडूड़ी, युवराज सिंह तोमर, अनु शर्मा, ललित शर्मा और सूर्य करन चौधरी।

SHIVAM RATURI
BTECH CIVIL 4TH YEAR

NPTEL WORKSHOP BY IIT ROORKEE

NPTEL

"Education is the foundation on which we build our future."
- Christine Gregoire.

DIT University on 13th July ,2018 organised a one day workshop on NPTEL, in collaboration with IIT Roorkee. The workshop was held at DIT University. DIT University constantly tries to provide the best for their students, and for their bright future. A large number of students attended the Workshop. The workshop focused on the technical skills needed to transform one into a successful individual in today's world. The students appreciated this step taken towards their betterment by DIT University. The workshop turned out to be a huge success.

ADITYA RAWAT
BTECH CSE 2ND YR

FACULTY DEVELOPEMENT PROGRAM

A Faculty Development Program was organised by DIT University on 17-21st July, 2018 with the aim of updating knowledge and improving organisational and pedagogical skills of the teachers. The program was inaugurated by Hon. Vice Chancellor Prof. K.K Raina who was also a keynote speaker for the FDP.Other prominent speakers were Mr S. Hali, an Educational and Motivational Speaker, Ms. Mona Verma,an Author,Poet and Soft Skills Trainer, who delivered lectures on their respective expertise.

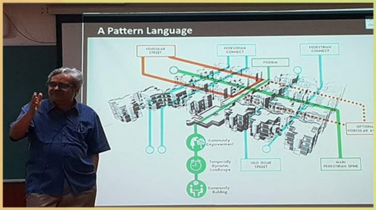

Program for the faculty of architecture and design

A lecture on Intellectual Property Rights was given by Dr. Anju Rawat (Scientist, UCOST).She explained the IPR in a detailed and interesting manner,while Ms. Mini Gupta, Head, Training and Development, DIT University took a session on Stress Management.
In the end Pro Vice Chancellor Dr. S Swaminathan delivered a lecture on Teaching-learning Methodology.
This event saw a huge enthusiasm. The faculty members opined that they look forward to many such events in future.

ADITYA RAWAT
BTECH CSE 2nd YR

WORLD YOUTH SKILLS DAY

World Youth Skills Day was celebrated in DIT University on July 16,2018 in Seminar Hall of Chanakya Block. The aim was to encourage students and teachers of DIT University to celebrate the value of acquiring skills like building, making, and creating as a way to achieve personal success and fulfillment .

Celebrating World Youth Skills Day

RIDHIMA GOYAL
BTECH CSE 2nd YR

Creative Writing

'उत्तराखंड दर्शन'

९ नवम्बर २०००, वह दिन जब ६ सालों के अथक प्रयासों और आंदोलनों के बाद उत्तर-प्रदेश से अलग होकर एक पहाड़ और मैदानी क्षेत्रों से भली-भांति सम्मिश्रित राज्य का जन्म हुआ और नाम पड़ा 'उत्तरांचल'। देश के २७वें राज्य के रूप में इसे पहचान मिली। काल-खंड में इसे 'उत्तराखंड' के नाम से जाना गया। इसकी राजधानी 'देहरादून' है। यह तिब्बत, नेपाल और चीन देशों की सीमा से सटा राज्य है। करीब १ करोड़ की जनसंख्या और ५० हज़ार किमी² के क्षेत्रफल वाला यह काफी छोटा राज्य है परंतु १३ जिले, ७० विधान-सभा क्षेत्र और ५ संसदीय क्षेत्र – इस बात से इसकी राजनीतिक उपयोगिता का पता लगाया जा सकता है।

छोटा चारधाम- गंगोत्री (गंगा का उद्गम स्थल), यमुनोत्री (यमुना का उद्गम स्थल), बद्रीनाथ, केदारनाथ, चारों यहीं स्थित हैं। चार कुम्भ क्षेत्रों में से एक (हरिद्वार) भी यहीं स्थित है। इसे पंच-बद्री (आदिबद्री, बद्रीनाथ, भविष्य बद्री, वृद्ध बद्री और योगध्यान बद्री), पंच-केदार (केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमहेश्वर और कल्पेश्वर) और पंच-प्रयागों (देवप्रयाग, रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, नंदप्रयाग और विष्णुप्रयाग) की धरती कहा जाता है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा का एक मार्ग 'लीपुलेख-दर्रा' भी यहीं से शुरू होता है। इन्हीं देव-स्थलों की वजह से इसे 'देवभूमि' भी कहा जाता है।

कहा जाता है कि शास्त्रों और वेदों कि रचना यहीं कि गयी थी और महाकाव्य, महाभारत भी इसी धरती पर लिखा गया था। शायद इसीलिए एक छोटे से भौगोलिक राज्य होने के बावजूद हर क्षेत्र के सर्वोत्तम शिक्षण संस्थान यहाँ पर हैं। चाहे वह रुड़की में आइ०आइ०टी० हो, श्रीनगर में एन०आइ०टी० हो, काशीपुर में आइ०आइ०एम०, ऋषिकेश में एम्स, श्रीनगर में केन्द्रीय विश्वविध्यालय, पंतनगर में गोबिन्द बल्लभ पंत कृषि विश्वविध्यालय, देहरादून में आइ०एम०ए०, देहरादून में ही एफ़०आर०आइ०, मसूरी में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, देवप्रयाग में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, हरिद्वार में पतंजलि विद्यापीठ, देहरादून में भारतीय सर्वेक्षण विभाग, आदि। अब क्रिकेट के क्षेत्र में भी उत्तराखंड को बी०सी०सी०आइ० द्वारा मान्यता मिल गयी है। राज्य का पहला अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम (राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम) देहरादून में खोल दिया गया है।

इसके अंतर्गत दो क्षेत्र आते हैं - 'गढ़वाल' और 'कुमाऊँ'। क्रमशः मुख्य रूप से यहाँ दो भाषाएँ बोली जाती हैं – 'गढ़वाली' और 'कुमाऊँनी'। इसमें थोड़ा सा अचरज की बात यह है कि इन दोनों भाषाओं को यहाँ की राजभाषा का दर्जा ही नहीं है। उत्तराखंड का जिक्र हो और उसमें 'गैरसैंण' न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। 'गैरसैंण'-गढ़वाल और कुमाऊँ के ठीक मध्य में बसा एक छोटा सा कस्बा, जहाँ कि आंदोलन के समय राज्य की राजधानी नियुक्त होना निश्चित हुआ था। परंतु कुछ राजनीतिक कारणों के कारण 'देहरादून' को राजधानी घोषित कर दिया गया। समय-समय पर इसे राजधानी बनाने कि कवायद जारी रहती है, क्योंकि इससे पहाड़ी क्षेत्र को निसंदेह फ़ायदा होगा। तो अभी यहाँ 'ग्रीष्मकालीन राजधानी' घोषित कर दी गयी है।

यहाँ के प्रमुख वाद्य-यंत्रों में: नगाड़ा, ढ़ोल, दमाऊ, रणसिंघा, भेरी, हुड़का, मशकबीन, डौंरा, आदि प्रमुख हैं। यहाँ के व्यंजनों में प्रमुख हैं: झोल, चैसू, कफली, कोदे की रोटी, कंडाली का साग, बालमिठाई, आदि। यहाँ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में हैं: नैनीताल, अलमोड़ा, ऋषिकेश, हेमकुंड साहिब, फूलों की घाटी, मसूरी, औली, चकराता, रानीखेत, कौसानी, लैंसडाउन, आदि।

शिक्षा और पर्यटन का एक बहुत बड़ा केंद्र होने के बावजूद, उत्तराखंड आज पलायन का दंश झेल रहा है। यहाँ के गाँव, जो यहाँ की धरोहर थे, आज लगभग खाली हो चुके हैं। इसका प्रमुख कारण दूर-दराज़ के गावों में दुरुस्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। १८ वर्ष की तारुणी उम्र के राज्य का युवा आज रोजगार के साधनों के लिए, अपने खुशहाल क्षेत्र को छोड़ने को मजबूर है। कुशल रोजगार मिलते ही यहाँ का युवा अपनी जगह को छोड़ तो दे ही रहा है, किन्तु वापस लौटकर अपने क्षेत्र की भी खुशहाली के प्रति समर्पित नहीं है। उसे अपनी भाषा तक को बोलने में शर्म महसूस हो रही है।

राज्य सरकार द्वारा पलायन बोर्डों का भी गठन किया गया है, परंतु जमीनी तौर पे पलायन चंद फीसदी भी नहीं रुका है। हमें चाहिए कि बेहतर व्यवसाय के स्रोत, यहाँ के युवाओं को मिलें, ताकि वह अपने गाँव से पलायन का कदम ही न उठाए। जो लोग पलायन कर चुके हैं, वो भी साल में एक-दो मर्तबा अपने गावों में जाएँ, और वहाँ से जुड़ी समस्याओं पर अपनी कर्म-शक्ति के अनुरूप काम करें। अपने बच्चों को वहाँ कि संस्कृति से अवगत कराएं। तभी यह प्यारा उत्तराखंड काल-खंड में देश में एक नयी ख्याति उत्पन्न करेगा। कहा भी गया है:

'जननी-जन्मभूमिश्च स्वर्गादापि गरीयसी'

अर्थात: जननी(माता) और जन्मभूमि का स्थान स्वर्ग से भी श्रेष्ठ और महान है।

SHIVAM RATURI
BTECH CIVIL 4th YR

Faculty development program by Chemistry Department

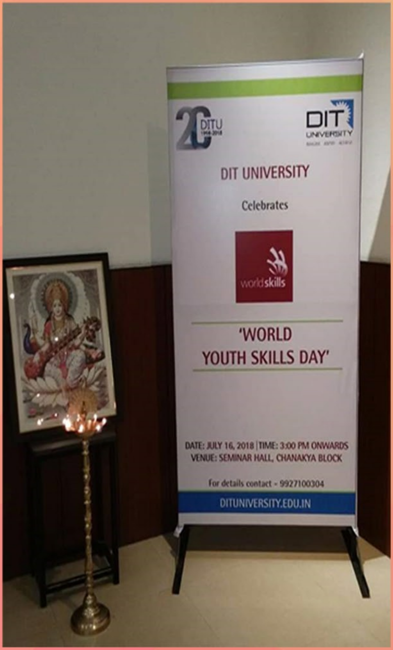

World Youth Skills Day Celebrations

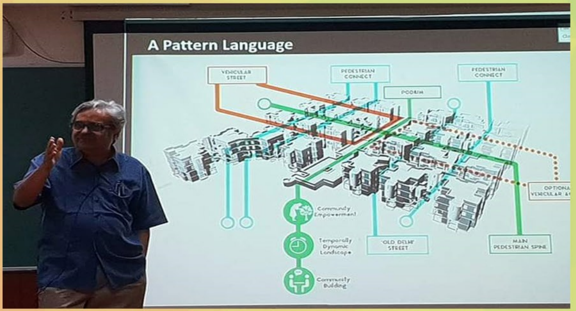

Faculty Development Program by Architecture and Design Department

Inauguration of Faculty Developement Program by Dr. K.K Raina

Moments from Alumni Meet 2018, Pune

The Editorial Board

Editor-in-chief : Dr. Kiran Badoni Mamgain

Student Editor : Aishwarya Sharma

Deputy Student Editor : Ayush Shrivastava

Creative Heads (L to R) : Shivani Gupta and Shivangi Lakhera

Designing Head : Sukriti Joshi

Editing Heads (L to R) : Ankita Kumari & Samreen Popli

Publicity Head : Ashutosh Tripathi

Creative Team (L to R) : Shreyee Dhobhal , Aditi Misra , Athiyaman , Hassaan , Shivam Raturi ,Satyam Kumar and Aditya Rawat

Editing Team (L to R) : Saurabh Dimri , Ridhima Goel , Aastha Tewari , Ananya Upadhyay , Kunwar Akshyat Pratap

Publicity Team (L to R) : Prabhav Goel & Ayush Gupta

Designing Team (L to R) : Bhaskar Karnatak & Srijan Sameer